Edition : 3

Date : 27 May 2021

विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123

ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Black / White Fungus

देश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच अब ब्लैक फंगस ने भी तबाही मचाना शुरू कर दिया है. म्यूकरमाइकोसिस (Mucormycosis) यानी ब्लैक फंगस (Black Fungus) देश के अलग-अलग हिस्सों में बहुत तेजी से फैल रहा है. आमतौर पर जिन कोविड मरीजों को ज्यादा स्टेरॉयड दी गई, जो लंबे समय से अस्पताल में भर्ती थे, ऑक्सीजन मास्क या वेंटिलेटर के जरिए ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे, खराब हाइजीन के कारण या डायबिटीज जैसी अन्य बीमारियों से झूझ रहे लोगों को ब्लैक फंगस का ज्यादा खतरा है.

1. लोग मास्क को कई दिन तक धोते नहीं है उल्टा सैनिटाइजर से साफ करके काम चलाते है। ऐसा न करें। कपड़े के मास्क बाहर से आने पर तुरंत मास्क साबुन से धोएं, धूप में सुखाएं और प्रेस करें। सर्जिकल मास्क एक दिन से ज्यादा इस्तेमाल न करें। N95 मास्क को महंगा होने की वजह से लंबे समय तक उपयोग करना पड़े तो साबुन के पानी में प्रतिदिन कई बार डुबोकर धो लें, रगड़े नहीं। बेहतर हो कि नया इस्तेमाल करें।
2. अधिकांश सब्जियां खासकर प्याज़ छीलते समय दिखने वाली काली फंगस हाथों से होकर आंखों या मुंह मे चली जाती है। बचाव करें। साफ पानी , फिटकरी के पानी या सिरके से धोएं फिर इस्तेमाल करें।
3. फ्रिज के दरवाजों और अंदर काली फंगस जमा हो जाती है खासकर रबर पर तो उसे तत्काल ब्रश साबुन से साफ करें । और बाद में साबुन से हाथ भी धो लें।
4. डॉक्टर की सलाह पर ही ऑक्सीजन लगायें। अपने आप अपनी मर्ज़ी से नहीं। यदि मरीज को ऑक्सीजन लगी है तो नया मास्क और वह भी रोज साफ करके इस्तेमाल करें। साथ ही ऑक्सीजन सिलेण्डर या concentrator में स्टेराइल वाटर/saline डालें और रोज बदलें।
5. बारिश के मौसम में मरीज को या घर पर ठीक होकर आ जाएं तब भी किसी भी नम जगह बिस्तर या नम कमरे में नहीं रहना है। अस्पताल की तरह रोज बिस्तर की चादर और तकिए के कवर बदलना है । और बाथरूम को नियमित साफ रखना है। रूमाल, गमछा , तौलिया रोज धोना है।

आप इन सब बातों का ध्यान रखें और दूसरों को भी बताएं तो इस घातक बीमारी से बचाव संभव है। क्योंकि इसका उपचार अभी बहुत दुर्लभ और महंगा है इसलिए सावधानी ही उपचार है

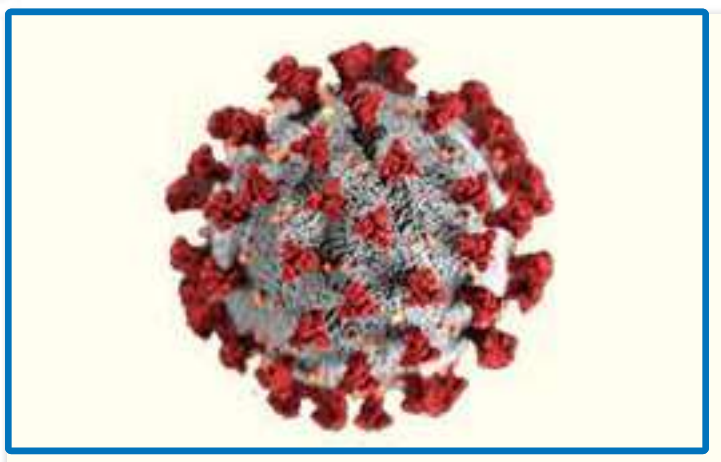

COVID-19 (कोरोनावायरस)

कोरोनावायरस संक्रमण (रोग) फैलाने वाला एक प्रकार का वायरस (विषाणु) है जो श्वसन तंत्र में संक्रमण उत्पन्न करता है और मानव-से-मानव में फैलता है। इस वायरस के मानव-से-मानव संचरण की पुष्टि 2019-20 कोरोनोवायरस महामारी के दौरान की गई है। इसका प्रसार मुख्य रूप से लगभग 6 फीट (1.8 मीटर) की सीमा के भीतर खांसी और छींक से बूंदों के माध्यम से होता है।

दूषित सतहों के माध्यम से अप्रत्यक्ष संपर्क, संक्रमण का एक और संभावित कारण है। यह एक कफ है, पर ये एक सूखा कफ है। आयुर्वेद में इसका बहुत ही सरल व सीधा निदान है। आयुर्वेद में कहा गया है कि कफ की बीमारी को काटना सबसे आसान है। आयुर्वेद के अनुसार प्रत्येक खाद्य वस्तु के गुण बताएं गए है। जैसे हर खाद्य पदार्थ अपनी प्रकृति के अनुसार या तो कफनाशक (कफ को नष्ट करने वाले) होता है या कफवर्धक(कफ को बढाने वाले) होता है। अब जिसको कोरोना है उसको एक बंद कमरे में क्वारंटाईन करके हमें सीधा सा काम ये करना है कि उसको कफवर्धक खाद्य वस्तुओं को देना बंद करना है और ज्यादातर कफनाशक चीजों का सेवन कराना है। जब इस वायरस को अपने बढ़ने के लिए खाद्य पदार्थ ही नही मिलेगा और जो मिलेगा वह कफ को नष्ट करने वाला है ।

कफवर्धक खाद्यपदार्थ:-

1. कोई भी घी, तेल,दूध, लस्सी,पनीर, दही।
2. प्याज, आलू, उडद की दाल, चने की दाल, अरबी, शकरकन्दी, फूलगोभी, बंदगोभी, शिमला मिर्च, टमाटर, लहसुन, मशरुम।
3. संतरा, सेब, केला, ग्लूकोज,
4. बिस्कुट, गेहूं का आटा, ब्रेड।

कफनाशक खाद्यपदार्थ:-

1. अदरक, हल्दी, तुलसी, काली मिर्च।
2. शिलाजीत, मुलेहठी, आमलकी रसायन, काला बांसा।
3. जौ की रोटी, मूंग दाल, घीया, तोरई, जीरा, सेंधा नमक,
4. मीठा अनार, चीकू, नारियल पानी।

साभार: गिरीश कुमार, तेल घानी लघु गृह उद्योग, एल एस नगर, नया खेडा, विद्याधर नगर, जयपुर, 9782341154

Edition : 3

Date : 27 May 2021

विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123

ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

संस्था परिचय

श्री खण्डेलवाल वैश्य केन्द्रीय माध्यमिक विद्यालय, स्टेशन रोड़, जयपुर की स्थापना 1917 ई. में हुई थी। यह विद्यालय खण्डेलवाल समाज का शिक्षा-सेवा क्षेत्र में प्रथम कदम था एवं समाज की शिक्षा सेवा के प्रति निष्ठा व विश्वास के फलस्वरूप निरन्तर प्रगति करता हुआ आज एक सीनियर सैकण्डरी विद्यालय के रूप में कार्यरत है। वर्तमान समय में कक्षा 6 से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10 + 2 शिक्षा प्रणाली की 12वीं तक के छात्र अध्ययन कर रहे है। विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम में अध्ययन की व्यवस्था है।

विद्यालय का प्रशासन, श्री खण्डेलवाल वैश्य हितकारिणी सभा जो कि ''दी जयपुर सोसायटी रजिस्ट्रशन एक्ट 1943'' के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है एवं ''राजस्थान गैर सरकारी शिक्षण संस्थान अधिनियम 1989, नियम 1993'' के अन्तर्गत गठित श्री खण्डेलवाल वैश्य के सी.मा.वि. प्रबन्ध समिति, के द्वारा संचालित है। विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित पाठ्यक्रम के आधार पर अध्ययन की व्यवस्था है। विज्ञान वर्ग की प्रयोगशालाएँ आधुनिक एवं आवश्यक उपकरणां से परिपूर्ण है एवं आधुनिक गणित तथा कम्प्यूटर विज्ञान की भी व्यवस्था है, वाणिज्य संकाय में बैंकिंग, टंकण, एच्छिक गणित व कला वर्ग के शिक्षण का भी सफलतापूर्वक संचालन हो रहा हैं।

विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्यक्रम की शिक्षा के अतिरिक्त उपयोगी सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ वर्ष पर्यन्त आयोजित की जाती है। छात्रों के तकनीकी ज्ञानवर्द्धन हेतु विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई हैं। विद्यालय में अति आधुनिक कम्प्यूटर प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर के माध्यम से छात्रों को तकनीकी ज्ञान दिया जाता है। विद्यालय में आधुनिक प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को देश के श्रेष्ठ अध्यापकों की इन्टरनेट एवं वीडियो क्लासेज के द्वारा उत्कृष्ट एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान की जाती हैं। संस्था में आन्तरिक एवं बाहरी खेल-कूदों, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों का शारीरिक एवं मानसिक विकास किया जाता है। विद्यार्थियों के ज्ञानवद्र्ध न हेतु वाचनालय, वृह्द पुस्तकालय की भी व्यवस्था हैं। मेधावी छात्रों की सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियाँ एवं प्रोत्साहन राशि भी समय-समय पर दी जाती हैं। उत्सवों, साहित्यिक एवं सास्कृतिक गतिविधियों में छात्रों की रूचि बढ़ाने के लिए विभिन्न पर्वों पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। छात्रों के स्वास्थ्य का परीक्षण करने हेतु समय-समय पर व्याख्यान तथा चिकित्सा शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। साथ ही कक्षा 6 से 12 तक समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (S.U.P.W.) एवं समाज सेवा के पाँच दिवसीय शिविर में शिविरार्थियों को स्वावलम्बी बनाने हेतु प्रायोगिक रूप से विभिन्न लघु उद्योगों से संबंधित ज्ञान प्रदान किया जाता है।

विद्यार्थियों के उत्कृष्ट व्यक्तित्व के निर्माण हेतु विद्यार्थियों का व्यक्तिगत विष्लेषण एवं अभिभावक संगोष्ठी जैसे रचनात्मक प्रयोग भी किये जाते रहते हैं।

संस्था के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रबन्ध समिति निरन्तर शोध एवं विकास करती रहती है

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Alumni's Birthday

Alok Koolwal — 29 May

Sanjay Kumar Gupta — 10 June

Gupta Sales Corporation Shop
No.60, Sansar Chandra Road, Jaipur.

Dr. Rohit Mukherjee — 23 June

Govind Das Natani — 26 June

Alumni's Anniversary

Anil Gupta — 31 May

Working as Assistant Audit
Office In AG (Audit), Raj.

Brij Kishore Pareek — 06 June

Ashok Kumar Maheshwari — 21 June

Finance Company

Anil Natani — 24 June

Bikaner Traders

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

भारत की नदियॉ :– गंगा, यमुना, सिंधु, सरस्वती एवं ब्रह्मपुत्र।

By - Prashant Mourya (Class – 6)

गंगा भारत की पवित्रतम नदी है। सूर्यवंशी राजा भगीरथ इसे धरती पर लायें।
- उदगम स्थल उत्तर काशी जिले में गंगोत्री शिखर पर गोमुख।
- बद्रीनाथ का मन्दिर नारायण पर्वत की तलहटी में अलखनंदा के दायें किनारे पर स्थित है।
- गंगा किनारे प्रमुख स्थल – ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयाग, काशी, पाटलीपुत्र आदि।
- गोमुख से गंगासागर तक 1450 कि0मी0 लम्बाई।

यमुना उदगम स्थल यमनोत्री शिखर है।
- यमुना किनारे प्रमुख स्थल – दिल्ली, मथुरा, वृन्दावन, आगरा।
- यह गंगा के समानान्तर बहते हुए प्रयाग में गंगा में मिल जाती है तथा गंगा के साथ – साथ गंगासागर तक जाती है।

सिंधु नदी भारतवर्ष की ही नहीं विश्व की विशाल नदी है।
- उदगम स्थल – तिब्बत में स्थित कैलाश मानसरोवर के पास।
- बहाव – तिब्बत में 250 कि0मी0। जम्मू कश्मीर में 550 कि0मी0। शेष 2380 कि0मी0 पाकिस्तान में। कुल लम्बाई 3180 कि0मी0।
- वैदिक संस्कृति का विकास इसी के किनारे हुआ। मोहन जोदडो व हड़प्पा संस्कृति इसी के किनारे थी।

सिंधु नदी का उदगम स्थल – हिमालय है।
- बहाव – हरियाणा, राजस्थान, गुजरात होती हुई सिंधु सागर (अरब सागर) में मिलती है।
- वर्तमान में यह ऊपर से विलुप्त हो गई है। लेकिन आज भी हरियाणा और राजस्थान प्रदेशों में अन्दर ही अन्दर प्रवाहित होने की खोज मिल रहीं है।

ब्रह्मपुत्र नदी का उदगम स्थल – पवित्र मानसरोवर के पास एक विशाल हिमानी है।
- बहाव – तेजपुर, गुवाहाटी, डिब्रुगढ़, शिवसागर आदि। तिब्बत में इसको सांपो तथा अरूणाचल व असम में इसे लोहित कहा जाता है।
- लम्बाई – 2900 कि0मी0

दिवस, त्यौहार जयंती

27 मई	श्री नारद जयंती	14 जून	गुरू अजुनदेव पु. जयंती, विष्व रक्तदान दिवस
28 मई	वीर सावरकर जयंती	15 जून	सांई टेउराम पुण्य दिवस
29 मई	चौधरी चरन सिंह पुण्य दिवस	19 जून	श्री हरि जयंती
31 मई	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	21 जून	अन्तराष्ट्रीय योग दिवस वर्षा ऋतु प्रारम्भ, गायत्री जयंती एका निर्जला एकादशी
2 जून	श्री दादूदयाल पुण्य दिवस		
5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस	21 जून	उत्तरायण प्रारंभिक ग्रीष्म संकांति (पृथ्वी पर सबसे लम्बा दिन)
13 जून	महाराणा प्रताप जयंती	24 जून	कबीर जयंती सत्यपूव्रत

PHRC

PILES HOSPITAL & RESEARCH CENTER

DR. DINESH SHAH
M.S, FAIS, FIAGES, FACRSI,
FISCP, FACS (USA)

DR. ANSUL SHAH
M.B.B.S, MS

The best super specialty ano-rectal surgery hospital in North India.
This is 1 km inside from main Sikar Road.
7 km from Railway Station and Central Bus Stand.

+91-141-2334959 drdineshshah@pilesclinic.com

- G-24, Unnati Tower,Central Spine Vidyadhar Nagar, Jaipur

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

पिछले छः माह के दानदाताओं की सूची

क.सं.	नाम	राशि
1.	श्री भवानी शरण खूटेंटा	21,000.00
2.	श्री राम मनोहर बटवाडा	21,000.00
3.	श्री भानू प्रताप खूटेंटा एवं सहयोगी श्री गिर्राज खूटेंटा	21,000.00
4.	श्री गिर्राज खूटेंटा पुत्र श्री कपिल खूटेंटा	11,000.00
5.	श्री श्याम खूटेंटा पुत्र श्री कपिल खूटेंटा	11,000.00
6.	श्री बाबूलाल आटोलिया	21,000.00
7.	श्री अशोक कुमार गुप्ता	6,000.00
8.	श्री सुनीता गुप्ता (पाटोदिया)	5,000.00
9.	श्री आनन्द बिहारी घीया	21,000.00
10.	श्री दीपक खण्डेलवाल	11,000.00
11.	डॉ. अनिल ताम्बी	4,100.00
12.	श्री रामकिशोर डंगायच	5,100.00
13.	श्री बृजबिहारी दुसाद	21,000.00
14.	श्री ताराचन्द भुखमारिया	7,000.00
15.	श्री तुषार खण्डेलवाल	7,000.00
16.	श्री अक्षय खण्डेलवाल	7,000.00
17.	श्री रामकिशोर बूसर	21,000.00
18.	श्री जगदीश प्रसाद	21,000.00
19.	डॉ. गौरव कूलवाल	10,000.00
20.	श्री सुरेश बडाया	21,000.00
21.	श्री आभाष खण्डेलवाल	21,000.00
22.	डॉ. किशन सिंह	21,000.00
23.	डॉ. श्रीनाथ ताम्बी	21,000.00
24.	डॉ. मुकेश खण्डेलवाल	11,000.00

Edition : 3
Date : 27 May 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
ज्येष्ठ कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

बलिदानदिवस — 26 मई

सती रामरखी देवी

जन्मदिवस — 26 मई

हो. वे. शेषाद्रिजी

बलिदानदिवस — 26 मई

स्वतंत्रता सेनानी
डॉ. चम्पक रमण पिल्लई

निर्वाणदिवस — 27 मई

डॉ. आंबेडकरजी की पत्नी
रमाबाई भीमराव आंबेडकर

बलिदानदिवस — 27 मई

क्रांतिकारी
प्रतापसिंह बारहठ

निर्वाणदिवस — 27 मई

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री
पंडित जवाहरलाल नेहरू

जन्मदिवस — 28 मई

स्वातंत्र्य वीर सावरकर

जन्मदिवस — 28 मई

स्वतंत्रता सेनानी
नानासाहेब पुरोहित

बलिदानदिवस — 29 मई

हैदराबाद सत्याग्रह के
बलिदानी नन्हुसिंह

जन्मदिवस — 29 मई

सबसे पहले एवरेस्ट सर
करने वाले तेंजिंग नोर्गे

निर्वाणदिवस — 30 मई

सिख संतकवि
दर्शनसिंहजी महाराज

निर्वाणदिवस — 30 मई

सिख धर्म के पांचवें
गुरू अर्जुनदेव जी

जन्मदिवस — 31 मई

महारानी
अहल्याबाई होलकर

निर्वाणदिवस — 31 मई

संस्कृत विद्वान
डॉ. रामकृष्ण विठ्ठल लाड

पुण्यतिथि — 1 जून

परम पूजनीय
सहजानंद स्वामी

पुण्यतिथि — 1 जून

वीर भगतसिंह की माताजी
विद्यावती कौर

जन्मदिवस — 1 जून

भारत के प्रथम ICS
सत्येन्द्रनाथ टागोर

पुण्यतिथि — 2 जून

स्वामी विवेकानंद के निष्ठावान
साथी गुडविन

पुण्यतिथि — 3 जून

अमूल के संस्थापक
त्रिभुवन पटेल

निर्वाणदिवस — 3 जून

स्वतंत्रता सेनानी
वीर वामनराव जोशी

ओपरेशन — 4 जून

ओपरेशन ब्लू स्टार

जन्मदिवस — 4 जून

पद्म श्री सम्मानित
संत भगत पूरण सिंह

जन्मदिवस — 5 जून

संत कबीर जयंती

जन्मदिवस — 5 जून

कुश्तीबाज
हरिशचंद्र बिराजदार

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

पुण्यतिथि

5 जून

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक प.पू. श्री गुरूजी

जन्मदिवस

5 जून

कांग्रेस के संस्थापक नारायण मल्हार जोशी

पर्यावरणदिवस

5 जून

विश्व पर्यावरण दिवस

राज्याभिषेक

6 जून

छत्रपति शिवाजी महाराज

निर्वाणदिवस

6 जून

संस्कृत विद्वान गुरूदेव रानडे

बलिदानदिवस

9 जून

सिख सेनापति बंदासिंह बहादूर

बलिदानदिवस

9 जून

क्रांतिकारी बिरसा मुंडा

निर्वाणदिवस

9 जून

स्वतंत्रता सैनिक एन. जी रंगा

जन्मदिवस

10 जून

पराक्रमी राजा सुहेलदेव

दानदिवस

10 जून

विश्व नेत्रदान दिवस

समाधिदिवस

11 जून

स्वामी विवेकानंद

जन्मदिवस

11 जून

क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल

जन्मदिवस

12 जून

महान गणितज्ञ आर्यभट्ट

बलिदानदिवस

12 जून

महासमर के योद्धा बाबासाहेब नरगुन्दकर

बलिदानदिवस

13 जून

गंगापुत्र स्वामी निगमानंद

बलिदानदिवस

13 जून

ओबरी युद्ध के नायक राजा बलभद्र सिंह चहलारी

जन्मदिवस

13 जून

स्वतंत्रता सैनिक गणेश दामोदर सावरकर

जन्मदिवस

14 जून

अहिंसा यात्रा के पथिक आचार्य महाप्रज्ञ

बलिदानदिवस

14 जून

चैतन्य महाप्रभु

जन्मदिवस

14 जून

भारतीय खगोलशास्त्री निलकंथा सोमायाजी

जन्मदिवस

15 जून

समाज सेवक अन्ना हजारे

निर्वाणदिवस

16 जून

भारतीय रसायनशास्त्री प्रफुल्लचन्द रे

निर्वाणदिवस

16 जून

स्वतंत्रता सेनानी देशबंधु चितरंजन दास

बलिदानदिवस

16 जून

बंगाल के क्रांतिकारी नालिनिकांत बागची

Edition : 3

Date : 27 May 2021

विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123

ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

स्मरणीय

निर्वाणदिवस

17 जून

समाजसुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी
गोपबधु दास उत्कल मणि

पुण्यतिथि

17 जून

राजमाता जीजाबाई

पुण्यतिथि

17 जून

तृतीय सरसंघचालक
बालासाहेब देवरस

बलिदानदिवस

18 जून

महान वीरागंना
झांसी की रानी लक्ष्मीबाई

जन्मदिवस

18 जून

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के पांचवे
सरसंघचालक सुदर्शनजी

जन्मदिवस

18 जून

स्वतंत्रता सेनानी
दादा धर्माधिकारी

युद्धदिवस

18 जून

हल्दीघाटी युद्ध दिवस

बलिदानदिवस

19 जून

भील बालिका
काली बाई

जन्मदिवस

20 जून

सिंह के प्रतापी राजा
महाराजा दाहिर सेन

निर्वाणदिवस

21 जून

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के
आघ्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवर

योग दिवस

21 जून

विश्व योग दिवस

जन्मजयन्ती

22 जून

महाकवि
कालिदास जयंती

बलिदानदिवस

22 जून

झांसी की रानी के सहायक
अमर चंद बाठियां

बलिदानदिवस

23 जून

प्रखर देशभक्त
डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी

निर्वाणदिवस

23 जून

प्रख्यात गुजराती लेखक
मुछाली मां गिजुभाई बधेका

निर्वाणदिवस

23 जून

भारतीय तत्वज्ञ
भक्ति विनाडो ठाकूर

बलिदानदिवस

24 जून

महारानी दुर्गावती

जन्मदिवस

25 जून

कांतिकारी दामोदर
हरी चाफेकर

आपातकाल लागू

25 जून

भारतीय लोकतंत्र
के लिए काला दिवस

जन्मदिवस

26 जून

कोल्हापुर के राजा
शाहू महाराज

जन्मदिवस

26 जून

वंदेमातरम् के रचेयता
बंकिमचंद्र चटोपाध्याय

जन्मदिवस

27 जून

भारत की उडनपरी
पी.टी. उषा

निर्वाणदिवस

27 जून

मराठी सेनापति
धनाजी जाधव

निर्वाणदिवस

27 जून

सिख सम्राज्य के संस्थापक
महाराजा रणजीतसिंह

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Editor's Panel

Dr Dinesh Shah
Colorectal Surgeon
Piles Hospital & Research Centre
Jaipur
(Secretary, Shree Khandelwal Vaishya Central Sr Sec School Management Committee)

Mr. Kushal Pal Singh
Principal
Shree Khandelwal Vaishya
Central Sr Sec School Jaipur

Varsha Gupta
PGT Economics
Experience 15 years

Dr. Rakesh Gupta
Professor & Dean, Student Welfare
Poornima University Jaipur

Kailash Prasad Gupta
Additional Chief Block Education Officer
Samagra Shiksha Mahwa,
Dausa Rajasthan

Peeyush Shah
Software Engineer
Super Eminent Softwares
Jaipur

प्रश्नोत्तरी

1. किस किले के उत्तरी द्वार का अष्टधातु दरवाजा 1765 में लाल किले से उतार कर लाया गया–
अ. रणथम्भौर ब. लोहागढ़
स. भटनेर द. तारागढ़

2. निम्नलिखित में से कौनसा दुर्ग गढ़ बीटली के नाम से भी जाना जाता है–
अ. बून्दी का तारागढ़ दुर्ग ब. गागरौण दुर्ग
स. मेहरानगढ़ दुर्ग, जोधपुर द. अजमेर का तारागढ़ दुग

3. कौनसा दुर्ग ''चील का टीला'' कहलाता है–
अ. नाहरगढ़ ब. कुम्भलगढ़
स. जयगढ़ द. मेहरानगढ़

4. वह दुर्ग जिसके चारों ओर खाई होती है वह ——— दुर्ग कहलाता है–
अ. एरण ब. पारिख
स. पारिधि द. धन्वन

5. यदि कोई पर्यटक विशाल पानी के टांके, तोप ढ़ालने का कारखाना तथा गुप्त सुरंगे देखना चाहता है तो उसको किस किले में जाना चाहिए–
अ. जयगढ़ दुर्ग ब. नाहरगढ़ दुग
स. कुंभलगढ़ दुर्ग द. आमेर दुग

6. मेहरानगढ़ दुर्ग का निर्माण किसने करवाया–
अ. राव मालदेव ब. राव रायसिंह
स. राव जोधा द. राव कल्याणमल

7. जैसलमेर का किला किस नाम से जाना जाता है–
अ. जूनागढ़ ब. सोनारगढ़
स. लालगढ़ द. धूलगढ़

8. झालीबाबा बावड़ी और मामदेव का कुण्ड निम्न में से किस दुर्ग में स्थित है-
अ. चित्तौड़गढ़ ब. गागरौण गढ़
स. कुम्भलगढ़ द. तारागढ़

9. गॉगरोन किला राजस्थान के किस जिले में स्थित है–
अ . डूंगरपुर ब. उदयपुर
स. चित्तौड़गढ़ द. झालावाड़

10. निम्न में से राजस्थान के किस पहाड़ी किले को यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में शामिल नहीं किया गया है-
अ . कुम्भलगढ़ किला ब. रणथम्भौर किला
स. चित्तौड़गढ़ किला द. तारागढ़ किल

Edition 2 के Quiz Time के उत्तर

1. अ	2. स	3. अ	4. स	5. ब
6. स	7. द	8. ब	9. अ	10. द

Edition : 3
Date : 27 May 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
ज्येष्ठ कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

From Alumni's Desk

वो सुनहरे पल आज भी याद आते हैं

ओमप्रकाश गुर्जर
भूतपूर्व विद्यार्थी (बैच 1990)
पूर्व पार्षद वार्ड नं. 17, जयपुर।

किसी ने सच ही कहा है-'समय के पंख लगे होते है। कब फुर्र से उड़ जाता है, अहसास ही नहीं होता।' लगता है जैसे कल ही की बात है। पता ही नहीं चला वो खण्डेलवाल स्कूल के सुनहरे तीस वर्ष कब बीत गए! आज भी आँखो के समक्ष वो विद्यालय की बड़ी-चौड़ी कक्षाएँ, खेल के दो बड़े मैदान, विशाल पुस्तकालय, दौड़ते-खेलते, शैतानी करते विद्यार्थी खेल रहे हैं।

लंगोटिया मित्रों के साथ खेलघण्टी (इंटरवेल) में स्कूल से बाहर जाकर चाय पीना, पच्चीस पैसे का वो शुद्ध और स्वादिष्ट समोसा खाना आज भी सोचता हूँ तो मन हिलोरें मारना लगता है, आँखे नम-सी हो जाती है। मन तो करता है उस पल को वापिस जी कर आऊँ। मगर गुजरा हुआ समय कभी लौटकर नहीं आ सकता। उस समय के अनुभवी व प्रतिभाशाली शिक्षकों द्वारा वो पढ़ाने का तरीका दिल को छू जाता था। उस समय की शिक्षा-पद्धति हर प्रकार से विद्यार्थी के लिए उपयोगी हुआ करती थी।

मुझे प्रसन्नता और गर्व है कि इसी विद्यालय के न जाने कितने सैंकड़ों विद्यार्थी आज अपने परिवार, शहर, देश और विदेश में अपनी खास उपलब्धियों द्वारा स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं। इनमें कोई डॉक्टर है, इंजिनियर हैं, कोई उद्योगपति है, कोई राजनीति में है, कोई पत्रकार है, कोई राजकीय सेवा में ऊँचे पद पर रहकर सफलता के परचम लहरा रहा हैं। ये सभी अपने बेहतरीन कार्यों से परिवार, समाज व राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। मुझे भी सन् 2009-2014 में जयपुर के वार्ड नं. 17 से पार्षद के रूप में आप सभी मित्रों, सहयोगियों और परिवार जनों के आशीर्वाद से समाज की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पार्षद के रूप में मैंने पाँच वर्ष रहते हुए अपने क्षेत्र में अनेक विकास कार्यों को अंजाम दिया। आम-जन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका हर-संभव निराकरण करने का भरपूर प्रयास किया।

अगर आज वर्तमान स्कूल के हालात की बात करें तो पहले वाले शैक्षणिक वातावरण से तुलना तो नहीं की जा मगर आज स्कूल अंग्रेजी माध्यम हो गया है, यह अच्छी बात है। समय को देखते हुए ऐसा करना जरूरी भी था। इसके लिए मैं विद्यालय कमेटी सदस्यों, मेरे ही पुराने मित्र और इस विद्यालय के प्राचार्य श्री कुशलपाल सिंह को धन्यवाद देना चाहूँगा, जिनके अथक प्रयासों से यह संभव हो सका। मैं ईश्वर से प्रार्थना करूँगा कि विद्यालय अपने अतीत के गौरव को पुन: स्थापित करें और फिर से नई बुलंदिया छूएं। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ |

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

From Alumni's Desk

अतीत के झरोखे से

गिरधारी लाल विजयवर्गीय
भूतपूर्व विद्यार्थी (बैच 1992)
आगरा रोड़, जयपुर।

कहते है बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार होती है तत्पश्चात् वह विद्यालय में प्रवेश लेता है। विद्यालय शिक्षा का वह मंदिर होता है, जहाँ विद्यार्थी अनुशासन, त्याग, समर्पण जैसे सेवा भावों से असीम ज्ञात की प्राप्ति करता है। जयपुर के स्टेशन रोड स्थित करीब सौ वर्ष पुराना खण्डेलवाल स्कूल भी किसी जमाने में मंदिर से कम नहीं था। आज भी विद्यालय में स्थित गंगा माता का मंदिर मेरी स्मृतियों में अंकित है।

मंदिर ही नहीं विद्यालय का हर वो स्थान, जहाँ मैं अपने मित्रों के साथ खूब खेला करता था, जी भरके शैतानियाँ किया करता था, वे सभी सुनहरी और खट्टी-मीठी यादें आज भी तरो-ताजा है। जब मैं अपने आप को तीस साल पीछे ले जाता हूँ तो आँखे नम-सी हो जाती है। मन करता है बच्चों की तरह बस्ता उठाकर अभी जाकर उन कक्षाओं में बैठ जाऊँ, जहाँ मेरे लंगोटिया दोस्त मुझे छेड़ा करते थे। वो विशाल खेल का मैदान, जिसमें आधे घंटे की इंटरवेल में हम न जाने कितने मनोरंजक खेल खेल लिया करते थे। मुझे याद है इंटरवेल में कभी कक्षा में बैठकर खाना नहीं खाया। टिफिन को हाथ में लेकर दोस्तों के साथ घूम-घूमकर खाना खाया करते थे। कभी-कभी तो दोस्तों का टिफिन चुराकर खाना खा लिया करते थे। उस समय के अनुभवी व प्रतिभाशाली शिक्षकों द्वारा वो पढ़ाने का तरीका दिल को छू जाता था। उस समय की शिक्षा-पद्धति हर प्रकार से विद्यार्थी के लिए उपयोगी हुआ करती थी। मगर जाते हुए समय को कौन रोक सकता है? आज विद्यालय से उस समय के शिक्षा प्राप्त सैंकड़ों विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी उपलब्धियों और बेहतरीन कामों से स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं। इस संदर्भ में इससे बड़ी प्रसन्नता और गर्व की बात ओर क्या हो सकती है कि उस समय के मेरी कक्षा के ही पुराने मित्र कुशलपाल सिंह आज इसी विद्यालय के प्रिंसीपल है। मैं श्री कुशल पाल सिंह को धन्यवाद देना चाहूँगा कि स्कूल कमेटी के सदस्यों और उनके अथक प्रयासों की बदौलत आज खण्डलेवाल स्कूल अंग्रेजी माध्यम का हो गया है। आज भी स्कूल में बड़ी-चौड़ी कक्षाएँ, विशाल खेल के दो मैदान, विशाल और सुसज्जित लाइब्रेरी, बेहतरीन साइंस लैब्स, अनुवभी व प्रवीण अध्यापक इस बात के प्रमाण है कि विद्यालय पुन: अपनी अतीत की गाथा लिखेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करूँगा कि विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ें और यह शिक्षा के क्षेत्र में पुराने कीर्तिमान फिर से स्थापित करें। इस समय 'कोरोना महामारी' ने सबकी बुरी हालत कर रखी है, इससे शहर के स्कूल भी अछूते नहीं रहें। मेरी प्रभु से यह भी प्रार्थना है कि अतिशीघ्र यह महामारी समाप्त हो और स्थितियाँ सामान्य हो। जल्दी ही बच्चें अपने बैग, पानी की बोटल व टिफिन के साथ स्कूल जाएं। इन्ही शुभकामनाओं के साथ !

Edition : 3
Date : 27 May 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
ज्येष्ठ कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

From Alumni's Desk

तुझसे मिलता हूं मैं

कितना मुस्कुरा के तुझसे मिलता हूँ मैं
थमी सी ज़िंदगी मे कितना चलता हूँ मैं

ऐन वक़्त पर वो पता बदल देता है
डाकिए तक को कितना खलता हूँ मैं

ठंडी पड़ी है वादियां गुलशन है नम
तेरी रोशनी में कितना जलता हूँ मैं

हसद* में जल रहा है हर बशर°
बस एक तेरे नेह से पलता हूँ मैं

अच्छा लगे जो तू बस घर कर लूं
फ़िर पुराने ख़्वाब सा टलता हूँ मैं

हिचकी ओ अंगडाइयां रोज़ आती है
फ़क़्त^ तेरे लिए कितना मचलता हूँ मैं

कहने भर से हर बार मान जाता हूँ
कैसा शख्स हूँ कितना बदलता हूँ मैं

*हसद- ज़लन
°बशर- व्यक्ति
^फ़क़्त- केवल

मनीष पारीक
वकील, प्रवक्ता, पूर्व उपमहापौर जयपुर,
पार्षद जयपुर हैरिटेज निगम,
जिला संगठन प्रभारी भाजपा

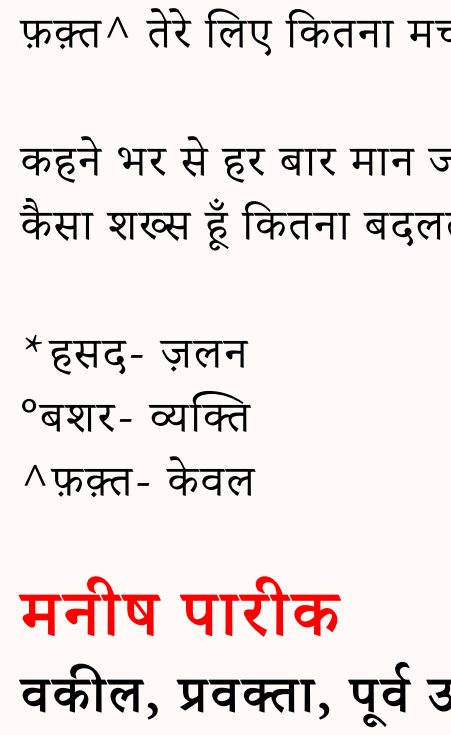

From Alumni's Desk

सुनिल तँवर
ए. एस. आई. | कुश्ती प्लेयर
वैशाली नगर थाना जयपुर।
My best school.
The school days are never be forget from my life.
Those school days are the best days of my life.

Edition : 3 | Date : 27 May 2021 | विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123 | ज्येष्ठ कृष्ण एकम

khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Collarge

NARDIRA

Class H.K.G

JAHANVI SEN

Class U.K.G

NABIL KHAN

Class I

TANISHKA

Class I

Story Time

Vineet Mishra
Class x

The Lazy Farmer

The rain gods had been smiling the whole night. The roads were muddy and the potholes were filled to the brim. It was the day for the market and Raju the farmer was riding his cart along the country road. He had to reach the market early so that he can sell his hay. It was very difficult for the horses to drag the load through the deep mud. On his journey suddenly the wheels of the horse cart sank into the mire.

The more the horses pulled, the deeper the wheel sank. Raju climbed down from his seat and stood beside his cart. He searched all around but could not find anyone around to help him. Cursing his bad luck, he looked dejected and defeated. He didn't make the slightest effort to get down on the wheel and lift it up by himself. Instead, he started cursing his luck for what happened. Looking up at the sky, he started shouting at God, "I am so unlucky! Why has this happened to me? Oh God, come down to help me."

After a long wait, God finally appeared before Raju. He asked Raju, "Do you think you can move the chariot by simply looking at it and whining about it? Nobody will help you unless you make some effort to help yourself. Did you try to get the wheel out of the pothole by yourself? Get up and put your shoulder to wheel and you will soon find the way out."

Raju was ashamed of himself. He bent down and put his shoulder to the wheel and urged on the horses. In no time the wheel was out of the mire. Raju learned his lesson. He thanked God and carried on his journey happily.

Moral: God helps those who help themselves.

Jokes & Poem Corner

टीचर . भारत की सबसे
खतरनाक नदी कौनसी है
स्टूडेन्ट . भावना!
टीचर कैसें
स्टूडेन्ट . क्यूकि सब इसमें
बह जाते है।

शिक्षकः (टिंकू से): बस इरादे बुलंद होने चाहिए,
पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है।
टिंकूः मैं तो लोहे से भी
पानी निकाल सकता हूं सर!!
शिक्षकः कैसें??
टिंकूः हैण्डपम्प से!!

STUDENT'S BIRTHDAY

S.N	STUDENT NAME	DOB
1	PIHU SAINI	25/06/2015
2	SUHANA BANO	15/06/2016
3	NADIRA	21/06/2104
4	MO. TOHID	25/06/2012
5	ABDUL REHAN	20/06/2009
6	RITAKSHI KHANDELWAL	21/06/2010
7	AKSHA MANSOORI	07/06/2014
8	ALEENA	03/06/2014
9	MO. MURSID	10/06/2014

रिताक्षी खण्डेलवाल (कक्षा 6)

कोरोना वायरस

मिलकर कोरोना को हराना हैं।
घर से हमें कहीं नहीं जाना हैं।
हाथ किसी से नहीं मिलाना हैं।
चहरे पे हाथ नहीं लगाना हैं।
बार.बार अच्छे से धोने जाना हैं।
सेनेटाइज करके देश को स्वच्छ बनाना हैं।
बचाव ही इलाज है यह समझाना हैं।
कोरोना से हमकों नही घबराना हैं।
सावधानी रखकर कोरोना को मिटाना हैं।
देशहित में सभी को यह कदम उठाना हैं।

Edition : 3
Date : 27 May 2021
विक्रमी संवत् 2078 युगाब्द 5123
ज्येष्ठ कृष्ण एकम
khandelwalschool.com

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

क्या खूब लिखा हैं किसी ने

संगत का जरा ध्यान रखना साहेब संगत आपकी ख़राब होगी और बदनामी माँ बाप की और उनके संस्कार की होंगी...

कहते हैं की सब किस्मत की बात है पर
किस्मत आपके हाथ में नही होती परन्तु निर्णय आपके हाथ में होता है किस्मत आपका निर्णय नही बदल सकती परन्तु आपका एक अच्छा निर्णय आपकी किस्मत जरूर बदल सकता है...

हर चीज़ की कीमत समय आने पर ही होती है पर्यावरण से हमे मुफ्त में मिला हुआ ये ऑक्सीजन जरूरत पडने पर अस्पताल में बहुत महंगा बिकता है..

वक्त बीतने के बाद अकसर ये महसूस होता है के जो छूट गया वो लम्हा ज्यादा बैहतर था...

हकीम साहब का नुस्खा

मुनि श्री 108 प्रमाणसागर जी के प्रवचननांश

एक बार एक हकीम साहब थे जिन्होनें अपने जीवन में सदाचार का पालन किया । वे जब मरणासन्न थे तो उन्होनें अपने पुत्र को सब अच्छी शिक्षायें दी उनके पुत्र ने उनसें फिर से निवेदन किया कि पिताजी ओर भी कोई बात हो तो मुझें बतानें की कृपा करें। हकीम साहब अन्तिम सांसे गिन रहे थे, उन्होनें धूपदान में से एक मुठ्ठी चंदन चुरा लेकर आने को कहा। उसके बाद उन्होनें दुसरा इशारा किया, बेटा उसे समझते हुए, चूल्हे में से कोयला ले आया। हकीम जी ने फिर इशारे दोनों को फेंकने को कहा। बेटे ने दोनों को फेंक दिया। हकीम साहब ने पूछा यह बताओं दोनों हाथों में क्या है? बेटा कुछ समझा नहीं। बोला-दोनों हाथ खाली है, तो हकीम साहब ने कहा, नही! दोनों हाथ खाली नहीं है, तुम अपनें हाथ को गौर से देखों। उसने गौर से देखा तो उसे लगा कि जिस हाथ में चंदन का चूरा था वह अभी भी चंदन बखेर रहा है और जिस हाथ में कोयला रखा था उस हाथ में अभी भी कालिख नजर आ रही है हकीम साहब ने रहस्य समझाते हुए कहा, बेटा! दुनिया में दो प्रकार के लोग है कुछ ऐसे है जो चंदन की तरह सुरभि फैलाते हैं, और कुछ लोग कोयले की तरह कालिख फैलाते है। जो चंदन की तरह होते है, जब तक उनके साथ रहो तब तक हमारा जीवन महकता है और उनका साथ छूट जाने पर भी वह महक हमारे जीवन से जुडी रहती है। कोयले की भांति के लोगों के साथ रहने में भी हमारा जीवन तो बिगडता ही है परन्तु उनका साथ छूटने के बाद भी वह कालिख तो मिटती नहीं हैं।

संगति सोंच-समझकर चुनना चाहिए। हमेशा अपने से ज्यादा गुणवान व्यक्तियों की संगति में रहना चाहिए।

The KVC Voice

By Shree Khandelwal Vaishya Central Senior Sec. School

Visit YouTube Channel

Visit Facebook Page
https://www.fb.com/kvcjaipur

Visit Website
http://www.khandelwalschool.com/